Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

ॐ

|| Whole World is a Family ||

दि. 27-2-2014
गुरुवार

❀ महाशिवरात्री का ❀
❀ महा संन्देश ❀

सभी पुण्यआत्माओं को मेरा नमस्कार - - -

आज समर्पण ध्यान मे प्रचार का प्रारंभ हुये २० साल पुर्ण हो रहे है। इन २० सालो मे समर्पण ध्यान जंगल के आदीवासी लोगो से, विश्व के शिक्षीत समाज तक पहुचा है। यह ध्यान पध्धती "निसर्ग" से प्रारंभ हुयी है। इसी लीये इसे कोई भी अपना सकता है, और अपनाकर समान अनुभुती का आंनद का अनुभव कर सकता है, यह अनुभुती २० साल मे समाज मे ज्यो की त्यो बनी हुयी है, ये पध्धती तब भी निशुल्क थी आज भी "निशुल्क" ही है, "निशुल्क" इस लिये है, की यह विश्व चेतना का प्रसाद है, तो प्रसाद बोंटा जा सकता है, बेचा नही जा सकता है, यह पध्धती का प्रचार विश्वेश्वर पर पुर्ण यह विश्वास रख कर किया जाता है। की यह "विश्वेश्वर" का कार्य है, तो इस कार्य को साधन भी "विश्वेश्वर" ही उपलब्ध करेगा।

और आज लाखो जन सामान्य के माध्यम से ही "विश्वेश्वर" ने सहायता करके हमारा विश्वास पक्का किया है।

आज की "महाशिवरात्री" वह पावन पर्व है, जब हमारा "आठवा गहन ध्यान अनुष्ठान" पुर्ण हो रहा है। आठ मंगलमुर्तीयो का संकल्प गुरुशक्तीयो ने आज से आठ साल पुर्व किया था। मुझे याद है, जब इस अनुष्ठान का प्रारंभ किया था और "मुंबई" से एक मुर्तीकार को बुलाया था। और जब यहाँ आकर उस मुर्तीकार को पता चला की एक जिवंत गुरु की प्रतीमा बनानी है, तो उसने अपने ही गुरु की प्रतिमा (की फोटो) दिखाते हुये कहा था की मैंने मेरे गुरु के कहने पर उनकी प्रतीमा बनायी और बाद मे गुरु ने उस मुर्ती की "प्राणप्रतीष्ठा" की और अपने "प्राण त्याग" दिये वह बोला मैं यह गल्ती दुसरी बार नही करना चाहता उसे "माध्यम" ने खुब समझाया ८ मुर्तीयो का संकल्प है, आठवी मुर्ती तक इस प्रकार का कुछ "हादसा"

नहीं हो सकता है, और वह नहीं माना और वापस मुंबई चला गया। थाने "प्राण प्रतीष्ठा" का कार्य कीतना "कठीण" है, यह हमे पता चलता है।

इस आठवी मुर्ती के साथ समाधीस्थ होने का "माध्यम" का निर्णय था, माध्यम सदैव अपने भितर का चैतन्य का ज्ञान भावी पीढ़ी के लीये स्थापीत कर यह निच्छीत कर के की स्थापना हो गयी है, उसे नमस्कार करके अपने देह का त्याग करते चले आ रहे है, मेरा समाधी का निर्णय भी सोच समझ कर लिया गया निर्णय था जब सबकुछ गुरु कार्य मे लगा दिया तो शरीर की हड्डीया क्यो नहीं, प्रत्येक समाधी मे हड्डीयो का अपना एक महत्व होता है, और मंगलमुर्तीयो के लिये तो हड्डीया चैतन्य का स्त्रोत ही है, "माध्यम" के जिवनकाल मे ही ये शरीर की हड्डीया प्रत्येक मंगलमुर्ती के साथ जुड गयी है, और प्रत्येक मंगल मुर्ती इन शरीर की हड्डीयो के साथ जुडी हुयी महसुस करती है, यही कारण है, की इस अनुष्ठान के समय सपुर्ण आठो मंगलमुर्तीयो मे से समान चैतन्य का प्रवाह बह रहा है, यह इनके आपस के जुडे होने के कारण ही है।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

"माध्यम" के देहत्याग के बाद "माध्यम" के शरीर की हड्डीयो से निकले "चैतन्य" को ग्रहण कर यह मंगल मुर्तीया सारे विश्व मे फैलाने का कार्य अगले ८०० साल तक करेगी।

इस महाशिवरात्री से समर्पण ध्यान का पुर्वार्ध समाप्त हो गया है। अब कल से उत्तरार्ध प्रारंभ होने वाला है। इस उत्तरार्ध मे प्रथम यह करना है। की "माध्यम" की समाधी के लिये स्थान को चुनना है। क्योंकी अब यह एक महत्वपुर्ण "माध्यम" अगले ८०० सालो के लीये होने वाला है। और यह कार्य सामुहीकता मे हो यह माध्यम की इच्छा है। और यह स्थान अगली ८०० साल की योजना को ध्यान मे रखकर बनाने का है। यह स्थान जैन मुनीयो और जैन साध्वीयो को भवीष्य मे एक संदेश वाहक का कार्य करेगा। इस माध्यम के भितर उनके लिये एक सन्देश छुपा हुआ है। वह जिनके लिये है। वह उन्हे "समाधीस्थल" के सानीध्य मे ही प्राप्त हो जायेगा। अगली भावी पिढीयो के लिये यह स्थल "प्रेरणा" का स्थान होगा। इसके चुंबकीय तत्वों के कारण दुनीयाभर से पवीत्र और शुद्ध आत्मारे दौडी चली आयेगी।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org
|| Whole World is a Family ||

सामान्यतः किसी परमात्मा के माध्यम के समाधीस्त होने के २५ साल के बाद समाधी मे सुक्ष्म शरीर का निर्माण होता है, और अचानक वह "समाधी स्थल" लोगो के आकर्षण का केन्द्र बन जाता है,

लेकीन इस समाधी स्थल मे यह स्थिती प्रथम दिन से प्राप्त होगी क्योकी माध्यम के जिवन काल मे ही उसका सुक्ष्म शरीर विकसीत हो चुका है, इस स्थान की व्यवस्था करना अब पहला संकल्प है। और हम सबको मीलकर इसे पुरा करना है। इस स्थान की योजना अगले ८०० सालो को ध्यान मे रख कर के बनानी है। इस लीये प्रथम इसके "स्थान का चुनाव" करना है। अब यही एक माज संकल्प था। जो पुर्ण करने के लिये गुरुशक्तीयो ने मुझे वापस इस जगह मे भेजा है। इसके अनुरुप हमे हमारी समुची व्यवस्था ही सुधारना होगी। ताकी यह भव्य "संकल्प" पुर्ण किया जा सके। इस महान कार्य मे आप अपना योगदान दे के आप अगली पिढीयो को एक ऐसा स्थान दे रहे है, जहाँ आकर भवीष्य मे भी मनुष्य आत्मशांती और आत्मसाक्षात्कार पा सके।

इस आठवे अनुष्ठान मे एक बडा "उल्लु" भी मेरे
कुटीर के सामने वाले निम के झाड पर बैठकर ही
अनुष्ठान कर रहा है, वह इतना बडा है। की एक
दिन वह निचे ओटले पर बैठा था तो उसका चेहरा
"बिल्ली" के चेहरे इतना बडा लगा था। और सपुर्ण
अनुष्ठान उसने उसी झाड पर बैठकर के ही कीया
है। मुझसे कुटीर के भितर के झाड बोलते है। "फुल"
भी बाते करते है, सभी "झाड" कुटीर की ओर
ही झुके रहते है। कुटीर के साईड ही अधीक
फुल देते है, कुटीर के भितर फुलो की बहार
आयी हुयी है, एक दिन तो ध्यान मे यह सुबह
अनुभव आया की मानो मैने "नागलोक" की यात्रा की
हो आसपास जीधर देखो उधर नाग ही नाग और
उनके गोल गोल चक्र पर चक्र मेरे आसपास
गोल गोल बने थे और हम सब नाग मीलकर
ध्यान समाधी मे थे। लेकीन धिरे२ जाना वह
सब आप लोगो के भितर की ही "कुंडलीनी"
शक्तीया थी और इन लाखो कुंडलीनीयो के
बीच मै एक "धुरा" के समान था- और

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

लाखो कुंडलीनीया गोल गोल घुम रही थी, और उसके साधको की संख्या कितनी बडी है, इसका अंदाजा हुआ हमे सबके बारे मे पता ही नही है।

आज सुबह एक "विचीत्र घटना" घटी रोज मैं नहाते समय एक "गोल" आकार का साबुन लेकर नहाता था रोज का वापर होने से उसका आकार छोटा और छोटा होता जा रहा था। मैंने गरीबी मे बचपन निकाला है। इसलिये साबुन का इस्तमाल छोटा होने पर भी करता ही हुँ। लेकीन यह तो और भी छोटा हो गया। और रोज वह साबुन मुझे प्रार्थना करता आज के दिन और इस्तमाल कर लीजीये आज मैंने आखरी बार इस्तमाल कीया। और वह पतले छोटे टुकडे को कचरा पेटी मे डालने उठा तो वह बोला कचरा मे मुझे मत डालो मुझे बेसीन के पास रखो मैं हाथ धोने के तो काम आ ही सकता हुँ, मैंने कहा ठीक है, और उसे बेसीन के पास रख दिया यानी अनुष्ठान के समय "माध्यम" के शरीर को छु कर भी साबुन जिवन्त हो गया।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| जय बाबा स्वामी ||

|| Whole World is a Family ||

उसे बेसीन के पास रख कर मैं उसी प्रकार का एक और गोल साबुन लेने अलमारी की ओर जाने लगा। तो तभी मैं जहाँ नहाता था वहा से "चौकोर साबुन" की आवाज आयी गोल साबुन को तो एक चान्स दे दिया। अब मुझे सेवा का अवसर दो न मैं कितने दिन से आपके पास बैठा बैठा प्रतीक्षा कर रहा हुँ।

तो मैं अलमारी के पास से वापस आया। और उस चौकोर साबुन को उपयोग के लिये निकाला इस प्रकार से निर्जीव वस्तुऐ भी सजीव होने लगा गयी है, यह आठवे अनुष्ठान का ही सब असर है, यह सब बाते आपको इस लीये बता रहा हु ताकी आप अंदाजा लगा सके की शरीर के सानीध्य मे आकर निर्जीव वस्तुऐ भी सजीव हो जाती है, तो उस शरीर के भितर की हड्डीया कीस गहन स्थिती तक पहुच गयी होगी। यह शरीर की हड्डीया ही कल का माध्यम अगले ८०० साल तक बनने वाली है। इन हड्डीयो से बना "समाधी स्थल" भवीष्य मे चित्तशक्ती का विश्वविद्यालय बनेगा। "बल" का युग बीत गया। अभी "बुद्धी" का युग चल रहा है।

Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

आने वाला युग "चित्तशक्ती" का होगा। यह समाधीस्थल का महान कार्य अगले "आठ सालो" तक चलने वाला है, आप सभी का योगदान अपेक्षीत है, अधीक से अधीक सामुहीकता के साथ यह निर्माण होना चाहीये आप इसके लिये आप का सहकार मेरी नियुकत उत्तराधीकारीयो को दे। कितनी कम उम्र मे यह जबाबदारी उन्होने ली है, अनुभव के साथ आठ साल मे वे भी पुर्णतह परीपकव हो जायेगे। आप जो भी मदत करना चाहते है, वे एक लिफाफे पर "गुरुसेवा" लिखकर भेजो। आपके पास जो भी ज्ञान है, कला है, जानकारी है, समय है। जो भी हो वह लिख कर के दे और अगली पिढ़ीयो तक "आत्म ज्ञान" का दान करने का सौभाग्य प्राप्त करे क्योकी "आत्मज्ञान" से बडा कोई दान ही नही है, आप सभी को खुब खुब आशीर्वाद

आपका
बाबा-स्वामी
27/2/2015